

DPN 6340

Title : मन्त्र (हकुभ्रंतय सलामं चयातःगु)
MANTRA (~~HAKU BHANTAY~~ SALAMAN C VAYATTAHGU)

Run. No. 7031

Cat. No. 8

Micro. No.

Subject मन्त्र मानस

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt.- New. / Maith.- New. / New.- Nep. /

Size in cms. 19.3 x 8

Folios 12

Lines (in a page) 4/5

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

डा. कमलप्रकाश मल्ल

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Dr. Kamal Prakash Malla

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thya sapu / हकु भ्रंतय सलामं चयातःगु

Written with chalk stone on black paper.

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

0

CMS

5

10

15

20

25

30

5

10

15

20



20

15

10

5

0

राजा माता जन्म ॥ राजा कृष्ण चंद्र प्रताप
सुजात कृष्ण कृष्ण राजा आ फरना सार
माता इन्द्रा मुमा हे माता हिन्दा ॥ ४॥ यार प्र
राजा रागारि साशा शावरा राजा ॥ ५॥

गाल चंनतर्जि ॥ न जगुला माता ॥ राजा जन्म
याजन्म रत्न व पाजि वता स रहे ॥ ४॥ ते निज
पिन्हा दुर्हित कि लामा लाई थपरि निव
पारुन रहे सै म कले ज्यारु वै अति सहर

CMS

5

10

15

20

25

30

20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30

वका देवु न्न कत हु ॥ ४ ॥ गो लो न्न कत क
रु रतु पि मा त व रुर दा के वे क शि नि
डा भू त त व रुर ले न रुर यो के र
रु नि वा व वा न्न नु हु नि प न्न स न्न व ल

हुं का कत मा लो उ न्न लो न्न कत क
गो लो न्न कत मा लो उ न्न रुरा न्न कत
रुरा न्न कत मा लो उ न्न रुरा न्न कत
रुरा न्न कत मा लो उ न्न रुरा न्न कत
रुरा न्न कत मा लो उ न्न रुरा न्न कत

20

5

10

८

0

CMS

5

10

15

2.0

25

30

20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

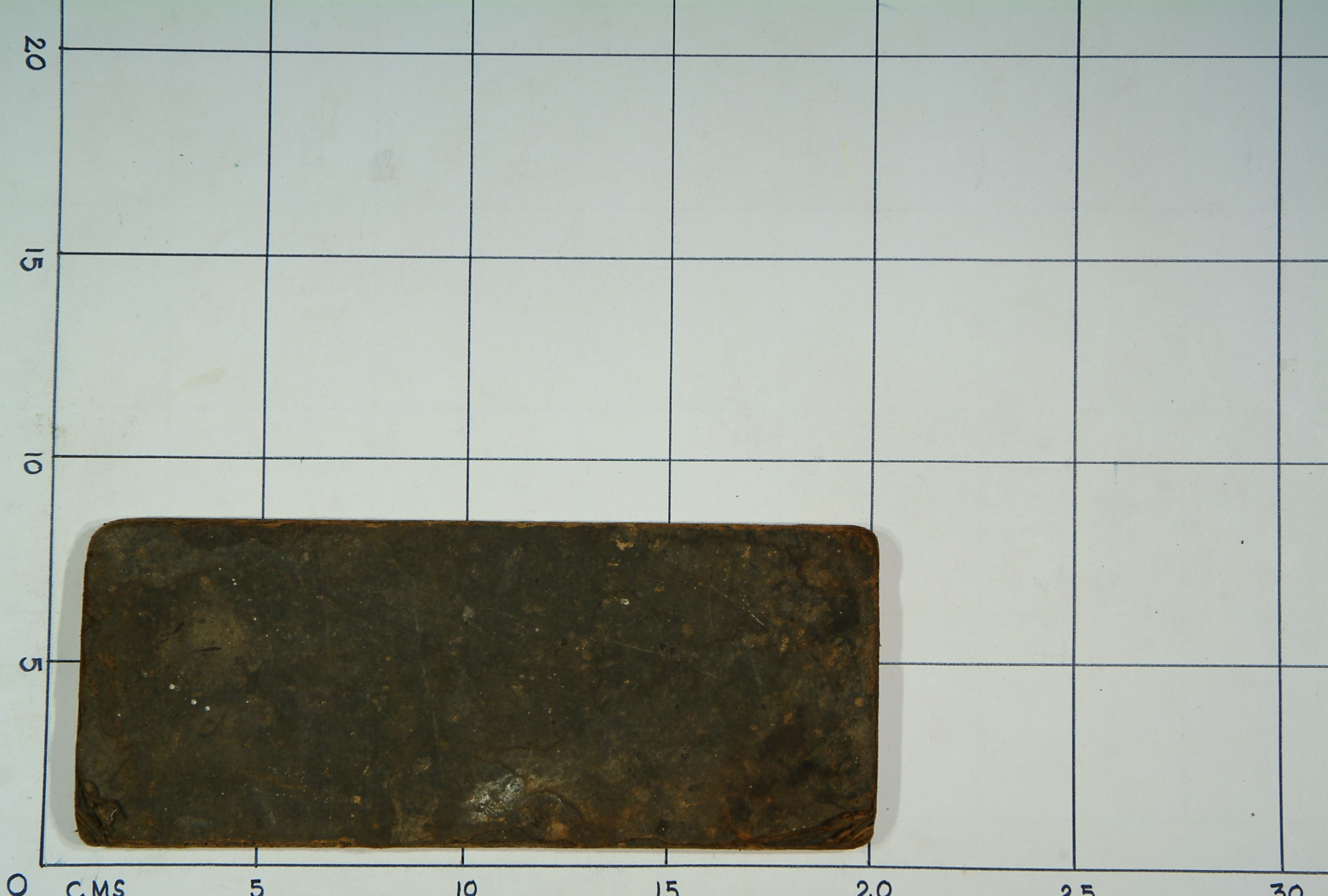
20

25

30

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
सर्वं भूतं जगत्सर्वं भूतं जगत्सर्वं
लोकं भूतं जगत्सर्वं भूतं जगत्सर्वं
मो जगत्सर्वं भूतं जगत्सर्वं भूतं जगत्सर्वं
सर्वं भूतं जगत्सर्वं भूतं जगत्सर्वं

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
सर्वं भूतं जगत्सर्वं भूतं जगत्सर्वं
लोकं भूतं जगत्सर्वं भूतं जगत्सर्वं
मो जगत्सर्वं भूतं जगत्सर्वं भूतं जगत्सर्वं
सर्वं भूतं जगत्सर्वं भूतं जगत्सर्वं



0 5 10 15 20
C.MS

Handwritten text in Devanagari script on two palm leaf fragments. The text is arranged in approximately five horizontal lines across both fragments. The script is a form of Devanagari, likely from an older manuscript. The fragments are dark brown and show signs of age and wear.



20

15

10

5

0

लिखा हूँ दामावया भाह ३४ दूध
 दनं क्रुथि दामा भाह ४० विया लूका ना ३
 र के यो
 का लुह लो मोहर सै ६ कमनाया त १०

वाजात का २ सुमोह १ मजा २ सिं ग्रान् ५
 चिक्रा ना ३ मास १० ग मलि मला १० ग
 सिनामति १० सिं १२ मास ५ ग चिकं मोह त १०
 र सिं १ सलि १ ग

CMS

5

10

15

20

25

30



20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ आहु पा र ह लाल ॥
ॐ नमो श्री ॥ ७ ॥ पालत मंत्रा र्णु सा ये ॥
अत फुर कुनु ॥ ७ ॥ ॐ सिद्धि लो गे मे रे का म
लागे हा मुजा हा क हुलागे ती हा लागे सिद्धि
गुरे वा पा र ॥ ७ ॥ सक रा प र्ण ॥ आहु

ॐ नमो दे स हे रि के न सा थ पालत फुरा प
म नो भि मु क नु ॥ ७ ॥ ॐ न्नी फुरा स्वा हा ॥ ७ ॥
पालत मंत्रा रि फुर कुनु स्या गो ली पा ह्या के
ने के र्णु ॥ ७ ॥ ॐ रे र्णु ॥